

 *Mahendra's*



UP Police कांस्टेबल / UP लेखपाल



HINDI

अलंकार

भाग 2

एकदम शुरू से...



 **3:00 PM**

LIVE 



Don't Let Your Studies Get Impacted By COVID-19 Pandemic

Stay Home & Study Online With Mahendras Hybrid Model

Features



Offline Classes



Live Interactive Online Classes



Same Faculty



Same Batch



Same Batch Timing



Online Library Facility



Recorded Video



PDFs



Classes In Both Model

CONTACT US:

1800-103-5225

www.mahendras.org





UPCOMING ONLINE BATCHES

~~January 2022~~

05 Jan 2022

08:00 AM to 10:00 AM

BANK ONLINE LIVE CLASS

10:30 AM to 12:30 PM

SSC ONLINE LIVE CLASS

01:00 PM to 03:00 PM

SSC ONLINE LIVE CLASS

05:30 PM to 07:30 PM

BANK ONLINE LIVE CLASS

BILINGUAL

12 Jan 2022

08:00 AM to 10:00 AM

SSC ONLINE LIVE CLASS

10:30 AM to 12:30 PM

BANK ONLINE LIVE CLASS

03:00 PM to 05:00 PM

BANK ONLINE LIVE CLASS

05:30 PM to 07:30 PM

SSC ONLINE LIVE CLASS

BILINGUAL

19 Jan 2022

08:00 AM to 10:00 AM

BANK ONLINE LIVE CLASS

01:00 PM to 03:00 PM

BANK ONLINE LIVE CLASS

03:00 PM to 05:00 PM

SSC ONLINE LIVE CLASS

07:30 PM to 09:30 PM

SSC ONLINE LIVE CLASS

BILINGUAL

27 Jan 2022

10:30 AM to 12:30 PM

BANK ONLINE LIVE CLASS

07:30 PM to 09:30 PM

BANK ONLINE LIVE CLASS

08:00 AM to 10:00 AM

SSC ONLINE LIVE CLASS

01:00 PM to 03:00 PM

SSC ONLINE LIVE CLASS

BILINGUAL



अर्थ अंलकार :- सीता जी का मुख चन्द्रमा के समान है।
उपमेय उपमान वाचक शब्द

(A) उपमा अंलकार :- उपमेय उपमान के समान बनाया जाय

(i) उपमेय - जिसकी तुलना करते हैं।

(ii) उपमान - जिससे तुलना करते हैं।

~~(iii)~~ वाचक शब्द - शब्द की समानता - सी / समान

(iv) समान धर्म - जिस आधार पर तुलना है

(B) स्वयं अंलवार -

जहाँ उपमेय का ही उपमान
बनाया जाए।

ex:-

सीता जी का सुरन चन्द्रमा है।

(i) उपमेय

(ii) उपमान

(iii) समान धर्म

(iii) उत्प्रेक्षा अलंकार :-

जहाँ पर उपमेय में उपमान की संभावना करी जाए।

जन्तु, मन्तु, मान्नी, जान्नी, मान्दु, जन्दु

↓
Confusion

(iv) विनीक्ति अलंकार :-

(विना, विनु)

जहाँ बिना शब्द के द्वारा वस्तु या व्यक्ति की व्यक्तता बताना।

ex:

रजर बिनु सरसित,

सरसित बिनु सर,

रजर - सरसित,

बिनु सर।

रज - बिन पौवन,

पौवन बिनु रज,

रज पौवन प्रिय दुरै ॥

(V) भ्रान्तिमान अंलकार :-

अमानता वशा किसी वस्तु
को अन्य वस्तु समझ लेना

ex:-

नाक का मोती उधर की भ्रान्ति से ।

बीच दामिड, का समझकर भ्रान्ति से ॥

दृष्टकर सदसा हुआ शुक्र मान है ,

सौचर है दूसरा शुक्र मान है ॥

(vi) संदेह मान अंलकार :-

समझ पर संदेह

ex:-

आरी बीच वारी है

कि वारी बीच आरी है !

आरी है कि वारी है

, वारी है कि आरी है ॥

(vii)

मानवीकरण आंखकार :-

निर्जन को सजीव मात्रा
या
किसी को सजीव जीव को
आकार देना ॥

ex:

जब - जब बाह्य उठी मध्य की ।

धरती का जब - मन ललका करे ।

(viii)

विरोधाभास अंलकार :-

दो विपरीत शब्दों का एक
साध आना

ex.:

हाँ भीचूँ लूँ चलूँ ,
नहीं ऊँचूँ लूँचूँ ॥

(iv) विभावना अंलकार :-

(विन्दु / बिना)

बिना कारण के ही जान होगा

ex:-

विन्दु पग चलै ,

सुने बिन जाना ।

कर विन्दु करम करै ,

विधि जाना ॥

(X) अनन्वय अंलकार :-

अपमान की अनुपस्थिति में
अपमय को ही अपमान मान लेंगे

ex:
राम सी राम , सीया सी सीया ,
सिर मैं विरच विचारि विचारै ॥

-
- बाह्यांतर का अर्थ हिंदी में ।
- (A) बाहर और अंदर दोनों ओर
- (B) ऊपरी (दिखावटी) अंतर
- (C) विभिन्नता में एकता
- (D) इनमें से कोई नहीं
-
-
-

-
- बलात्सत्तापहरण का अर्थ हिंदी में ।
- (A) हवाई जहाज का हठात् भूमि पर उतरना
- (B) सत्ता के लिए संघर्ष
- (C) बलपूर्वक सत्ता छीनना
- (D) सत्ता हेतु लालुपता
-
-
-

-
- फलाहारी का अर्थ हिंदी में ।
- (A) केवल फल खाकर रहने वाला
- (B) कभी-कभी फल खाने वाला
- (C) जो फलाहार को उचित मानता हो
- (D) उपर्युक्त सभी
-
-
-

-
- प्रेप्सु का अर्थ हिंदी में ।
- (A) प्राप्त करने की इच्छा
- (B) प्राप्त करने का इच्छुक
- (C) प्राप्त करने हेतु प्रयत्न
- (D) इनमें से कोई नहीं
-
-
-

-
- प्रावसादन का अर्थ हिंदी में ।
- (A) अकर्मण्य एवं निरुत्साह होने की अवस्था
- (B) नए मकान में रहने के पूर्व किया जाने वाला भोज
- (C) मानसिक कष्ट
- (D) शारीरिक कष्ट
-
-
-

-
- प्राणाबाध का अर्थ हिंदी में ।
- (A) प्राण जाने की आशंका
- (B) प्राण बच जाने की आशंका
- (C) पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्ति की आशा
- (D) इनमें से कोई नहीं
-
-
-

-
- प्रागैतिहासिक का अर्थ हिंदी में ।
- (A) सभ्यता के विकास का इतिहास
- (B) आदिमान की संस्कृति
- (C) लिखित इतिहास के बाद का
- (D) लिखित इतिहास के पहले का
-
-
-